पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद के निजी सचिव शकूर खान को प्राप्त था राजनीतिक सरंक्षण : महंत प्रतापपुरी

'पाक जासूसी मामले में निजी सचिव की गतिविधियों से मंत्री अनजान, यह चिंता, चिंतन और निदंनीय विषय'

जयपुर। पोकरण से भाजपा विधायक महंत प्रतापपुरी ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस बाइट के दौरान कहा कि कांग्रेस के पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद के निजी सचिव शकूर खान मंगालिया को राजनीतिक सरंक्षण प्राप्त था, इसके चलते वो सरकारी कार्मिक होते हुए बिना किसी सूचना के पाकिस्तान की यात्राएं कर चुका। इतना ही नहीं, शकूर खान को राजनीतिक सरंक्षण प्रदान करने वाले लोगों की भी निष्पक्ष जांच होगी। विधायक प्रतापपुरी ने कहा कि सालेह मोहम्मद के तत्कालीन निजी सचिव शकूर खान लंबे समय तक उनके साथ जुड़े रहे और इस दौरान क्षेत्र में आयोजित होने वाले सैन्य कार्यक्रम में तत्कालीन मंत्री के साथ भी शामिल हुए होंगे। ऐसे में पूरी संभावनाएं है कि शकूर खान ने गोपनीय सूचनाएं लीक की होगी। ऐसे व्यक्ति की गतिविधियों से मंत्री अनजान रहे हों, यह बहुत चिंता, चिंतन और निदंनीय विषय है।

पोकरण से भाजपा विधायक महंत प्रतापपुरी ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस को संबोधित किया।

प्रतापपुरी ने कहा कि इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ से शिष्टाचार भेंट की तथा केंद्रीय नेतृत्व को भी पत्र लिखकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। प्रतापपुरी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने इस पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी इस विषय में बहुत गंभीर है।

■ 'पाक जासूसी मामले में निजी सचिव को रानजीतिक सरंक्षण प्रदान करने वालों की भी होगी जांच'

विधायक प्रतापपुरी ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार संदिग्ध गतिविधियां हो रही हैं, जो बेहद चिंताजनक हैं। इस क्षेत्र के पूर्व जनप्रतिनिधियों द्वारा धर्म और शिक्षा का सहारा लेकर खोले गए संस्थानों की गतिविधियों पर भी सरकार को नजर रखनी चाहिए। विधायक प्रतापपुरी ने बताया कि सालेह मोहम्मद के पिता स्व. गाजी खान पर 2013 में तत्कालीन एसपी पंकज चौधरी ने हिस्ट्रीशीट खोली, लेकिन राजनैतिक रसूख के चलते मामले को रफा दफा करवा दिया गया। उन्होंने बताया कि इनके कार्यकाल में राजनैतिक प्रभाव से ग्रामदानी योजना में इस क्षेत्र में किन-किन लोगों को लाभान्वित किया गया, जमीनों को आवंटन नियमानुसार हुआ या नहीं, इस विषय की भी जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही इस क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा अर्जित की गई संपत्ति तथा उनकी विदेश यात्राओं की भी जांच होनी चाहिए। सालेह मोहम्मद से जुड़ा अश्लील सीडी मामला राजनीतिक सरंक्षण के चलते दबा दिया गया। ऐसे में देश की सुरक्षा से जुड़े मामले में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाना चाहिए। शकूर खान की गिरफ्तारी के बाद स्थानीय लोगों में चर्चा है कि आईपीएस पंकज चौधरी द्वारा की गई कार्रवाई की निष्पक्षता से जांच होती तो आज देश की गोपनीय सूचनाएं लीक नहीं होती और अब आशा है कि समय पर जांच होगी और सरकार जनता की उम्मीदों के अनुरूप कार्रवाई करेगी।

बदला मौसम, बदले नज़ारे : मौसम के तीनों रूप देखने को मिले। दिनभर उमस से गर्मी शाम को आसमान में काली घटाये छाने व ठंडी हवाओं से मौसम सुहाना हुआ तो रात को तेज बारिश से मौसम का मिजाज बदला। फोटो : दिनेश भारद्वाज

प्रदेश में आए करोना संक्रमण के 15 नए मामले

जयपुर। प्रदेश में कोरोना संक्रमण के मामलों में एक बार फिर उछाल देखने को मिला है। सोमवार को प्रदेशभर से 15 नए मरीज सामने आए, जिनमें जयपुर के 10, जोधपुर के 3 और उदयपुर के 2 मामले शामिल हैं। इसके साथ ही इस साल अब तक कुल 113 संक्रमित मरीज दर्ज किए जा चुके हैं। चिकित्सा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार एसएमएस अस्पताल, एसएन मेडिकल कॉलेज, बी. लाल लैब से एक-एक मामला, एम्स जोधपुर, आरएनटी मेडिकल कॉलेज उदयपुर से 2-2, राजस्थान अस्पताल, जयपुर से 3, एम जेनिक्स, जयपुर से सर्वाधिक 5 मामले सामने आए है।

जानकारी के अनुसार जयपुर में 34, 23, 24, 51 वर्षीय महिलाएं जबकि 63, 79, 47, 50, 61 वर्षीय पुरुष, इसी प्रकार चूरू से 31 वर्षीय पुरुष, जोधपुर से 36 और 64 वर्षीय दो महिलाएं जबकि 29 वर्षीय एक पुरुष, उदयपुर से 27 वर्षीय पुरुष, 15 वर्षीय किशोरी कोरोना संक्रमित पाए गए। प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती मरीजों की स्थिति की बात की जाए तो वर्तमान में 16 मरीजों का इलाज चल रहा है। जिसमें मरुधर, जेके लोन, एसएमएस, साकेत और राजस्थान अस्पताल (जयपुर) में एक-एक मरीज, आरएनटी मेडिकल कॉलेज, उदयपुर में 3 मरीज, एम्स, जोधपुर में सबसे ज्यादा 8 मरीज भर्ती हैं।

जयपुर: 63, उदयपुर 14, जोधपुर 11, डीडवाना 5, बीकानेर 6, अजमेर, बालोतरा, दौसा 2-2, चित्तौड़गढ़, चूरू, डूंगरपुर, फलौदी, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सीकर 1-1 व अन्य (मध्यप्रदेश) 1 मरीज कोरोना संक्रमित पाया गया है जबकि एक मरीज की अब तक मौत हो चुकी है। जिससे विभाग सतर्क हो गया है।

आर्यमन ने जेईई एडवांस में देश में 93 वीं रैंक प्राप्त की

जयपुर। आईएएस दंपति संदीप वर्मा और श्रेया गुहा के बेटे आर्यमन देव वर्मा ने जेईई एडवांस्ड 2025 परीक्षा में 93वीं ऑल इंडिया रैंक हासिल की है। इस परीक्षा का परिणाम सोमवार सुबह घोषित किया गया। आर्यमन जयपुर शहर से इस परीक्षा में दूसरे स्थान पर रहे हैं।

संदीप वर्मा और श्रेया गुहा, दोनों ही राजस्थान सरकार में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत हैं।

उनके बड़े बेटे, आयुष्मान देव वर्मा, भी 2018 में जयपुर के टॉपर्स में शामिल थे। वे बाद में आईआईटी बॉम्बे में चयनित हुए और अब यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबरा में मैथमैटिकल इकोनॉमिक्स में पीएचडी कर रहे हैं।

आर्यमन देव वर्मा

मां श्रेया गुहा, आईएएस, स्वयं भी अपने स्नातक दिनों में दिल्ली विश्वविद्यालय की टॉपर रही हैं, और बाद में आईएएस के लिए चयनित हुईं।

■ आर्यमन देव वर्मा आईएएस दंपति संदीप वर्मा एवं श्रेया गुहा के पुत्र हैं

पिता संदीप वर्मा, आईआईटी दिल्ली से पढ़े हैं और कैट परीक्षा के माध्यम से दो बार आईआईएम अहमदाबाद में एमबीए के लिए चयनित हुए, लेकिन अंतत: उन्होंने आईएएस बनने का निर्णय किया और आईएएस परीक्षा में देशभर में 5वीं रैंक प्राप्त की।

राजेश कुमार अग्रवाल ट्राई जयपुर में सलाहकार नियुक्त

जयपुर। राजेश कुमार अग्रवाल ने आज भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर में सलाहकार के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। राजेश कुमार अग्रवाल भारतीय दूरसंचार सेवा के 1993 बैच के अधिकारी हैं। अग्रवाल को दूरसंचार क्षेत्र में 30 वर्षों से अधिक का अनुभव प्राप्त है। उन्होंने जयपुर मेट्रो में निदेशक और भारत संचार निगम लिमिटेड जयपुर में प्रधान महाप्रबंधक के रूप में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

राजस्थान के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक का निधन

जयपुर। राजस्थान कैडर के 1993 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव (ऊर्जा) आलोक का सोमवार को नई दिल्ली में निधन हो गया। पिछले कुछ समय से आलोक दिल्ली में इलाज चल रहा था। उनके निधन के उपरांत दिल्ली स्थित निवास स्थान पर भारतीय प्रशासनिक सेवा, पुलिस सेवा एवं अन्य विशिष्ट सेवाओं के अधिकारियों सहित राज्य सरकार के दिल्ली स्थित राजकीय कार्यालयों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें श्रद्धांजली अर्पित की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की तरफ से मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल और प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता ने स्वर्गीय आलोक के पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित किया।

कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़, ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर, मुख्य सचिव और नई दिल्ली में राजस्थान सरकार के मुख्य आवासीय आयुक्त सुधांश पंत, आई. ए. एस. अखिल अरोड़ा, आनंद कुमार, भास्कर सावंत, अपर्णा अरोड़ा, सहित बहुतायत संख्या में भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों सहित अन्य विशिष्ट लोगों ने लोधी रोड स्थित शवदाह गृह पहुंचकर स्व. आलोक की अंत्येष्टी में सम्मिलित हुए। इसके अतिरिक्त भारत सरकार में पदस्थापित आई.ए.एस. अधिकारी तन्मय कुमार, नरेश पाल गंगवार, रोली सिंह, राज्य के पूर्व मंत्री युनुस खान और सेवानिवृत अधिकारियों सुनील अरोड़ा, पांडेय इत्यादि ने भी उनकी देह पर पुष्प चक्र अर्पित करते हुए शोक संतृप्त परिवार को सांत्वना व्यक्त की।

■ राजस्थान के कैबिनेट मंत्री और मुख्य सचिव सहित विभिन्न सेवाओं के अधिकारी हुए अंत्येष्टी में शामिल

उल्लेखनीय है कि स्व. आलोक वर्तमान में उर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव तथा दिल्ली में प्रमुख आवासीय आयुक्त के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। इसके अतिरिक्त आलोक ने केन्द्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और प्राधिकरणों सहित सहित राज्य सरकार के महत्वपूर्ण विभागों में अपनी सेवाएं दी हैं।

स्वर्गीय आलोक को श्रद्धांजली अर्पित करने के लिए मंगलवार को नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में सांय 6 बजे से 7 बजे तक एक श्रद्धांजली सभा का आयोजन रखा गया है।

ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने अतिरिक्त मुख्य सचिव (ऊर्जा) आलोक के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। नागर ने कहा कि आलोक काबिल एवं कर्तव्यनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी थे। उन्होंने राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संकल्प को साकार रूप प्रदान करने की दिशा में अथक प्रयास किए। उनके असामयिक निधन से जो क्षति हुई है, वो अपूरणीय है। अस्वस्थ होने के बाद कुछ दिन पूर्व ही मैं उनसे दिल्ली स्थित मैक्स अस्पताल मिला था। यकीन नहीं हो रहा कि इतनी जल्दी ही वे साथ छोड़ जाएंगे। नागर ने ईश्वर से दिवंगत की आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों के साथ अपनी गहरी संवेदना प्रकट की है।

अनफिट परिचालक से रूट पर ड्यूटी कराने के आदेश पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सेवा के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होकर अनफिट हुए रोडवेज परिचालक से लाइट ड्यूटी की बजाए रूट पर काम कराने के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में रोडवेज एमडी सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश ममता की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता करौली बस स्टैंड पर बुकिंग की लाइट ड्यूटी दी गई थी। वहीं हाल ही में याचिकाकर्ता का ड्यूटी से जाते समय एक्सीडेंट हो गया था और उसकी पटेला बोन टूट गई थी। इस पर याचिकाकर्ता ने मेडिकल बोर्ड से प्रमाण पत्र बनवाकर रोडवेज प्रशासन को पेश किया।

निरीक्षण के बाद भी सुधार नहीं तो होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई : गजेन्द्र सिंह खींवसर

जयपुर। प्रदेश के मेडिकल कॉलेज एवं इनसे संबद्ध अस्पतालों का अब नियमित निरीक्षण होगा। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों का निर्धारित अवधि में निस्तारण नहीं होने पर संबंधित अधिकारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, साफ-सफाई, मरम्मत, जांच, दवा एवं उपचार की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करते हुए अस्पतालों को पेशेंट फ्रेण्डली बनाया जाएगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों एवं इनसे संबद्ध अस्पतालों का निरीक्षण कर लौटी टीमों से सोमवार को सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के सभागार में चर्चा करते हुए इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य का विषय बेहद संवेदनशील है, इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जा सकती। सभी अधिकारी अपने क्षेत्राधिकार से संबंधित अस्पतालों का नियमित निरीक्षण करें और निरीक्षण में पाई गई कमियों में तत्काल सुधार भी करें।

चिकित्सा मंत्री खींवसर ने कहा कि चिकित्सा अधिकारी अस्पताल को अपना घर और रोगियों को परिवार का सदस्य मानते हुए मानवीय भाव के साथ सेवाएं दें।

एक करोड़ 11 लाख गौवंश को लगेगा लम्पी से बचाव का टीका

जयपुर। प्रदेश में गौवंश को लम्पी स्किन डिजीज जैसी जानलेवा बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए 'लम्पी स्किन डिजीज रोग प्रतिरोधक टीकाकरण अभियान' का सोमवार से आगाज हो गया है। यह अभियान 2 जून से 2 अगस्त तक संचालित किया जाएगा, जिसमें गॉट पॉक्स वैक्सीन (उत्तरकाशी स्ट्रेन) का उपयोग कर 4 माह से अधिक उम्र के स्वस्थ गौवंश का टीकाकरण किया जाएगा। श्रीपिंजरापोल गौशाला में आयोजित कार्यक्रम में पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने टीकाकरण अभियान की टीम को वैक्सीन किट भेंट कर किया। इससे पहले मंत्री ने गौपूजन कर गौशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इस बार अभियान के तहत दो माह में एक करोड़ 11 लाख 57 हजार गौवंश का टीकाकरण किया जाएगा।

जोराराम कुमावत ने कहा कि वर्ष-2022-23 में लंपी बीमारी महामारी के रूप में आई थी, जिससे करीब 76 हजार गौवंश की मौत हो गई। इसके बाद राज्य सरकार ने इस बीमारी की रोकथाम के लिए युद्धस्तर पर कार्य किया और पिछले साल मानसून से पहले व्यापक स्तर पर अभियान चलाकर करीब 95 फीसदी गौवंश का टीकाकरण किया गया। इसका परिणाम ये रहा कि इस बीमारी से कोटा व झालावाड़ जिलों के अलावा प्रदेश के अन्य जिलों में इसका प्रकोप देखने को नहीं मिला। यह वैक्सीन इतनी कारगर सिद्ध हुई की विगत वर्ष गौवंश की इस बीमारी से मृत्युदर महज 5 फीसदी ही रही।

इस मौके पर पशुपालन विभाग के डायरेक्टर डॉ. आनंद सेजरा ने बताया कि यह टीकाकरण मानसून से पूर्व इसलिए किया जा रहा है ताकि वेक्टर जनित संक्रमणों की गतिविधि बढ़ने से पहले ही पशुओं में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित की जा सके।

नारायणा हॉस्पिटल जयपुर ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर वॉकथॉन का आयोजन किया

जयपुर। नारायणा हॉस्पिटल जयपुर ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर सफलतापूर्वक वॉकथॉन का आयोजन संपन्न किया। इस कार्यक्रम को जयपुर निवासियों से जबरदस्त समर्थन मिल, वकाथन के माध्यम से ढाई सौ से ज्यादा लोगों ने तंबाकू के हानिकारक असर को समझा और जागरूकता अभियान में भाग लिया। वॉकथॉन का समापन अस्पताल परिसर में हुआ, जहां सभी प्रतिभागियों ने तंबाकू मुक्त जीवन जीने की शपथ ली।

नारायणा हॉस्पिटल के विशेषज्ञों ने तंबाकू और धूम्रपान के हानिकारक प्रभावों पर प्रकाश डाला, जो विशेष रूप से कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का कारण बनते हैं। धूम्रपान और तंबाकू के सेवन के कुछ प्रमुख हानिकारक प्रभाव जो कैंसर का कारण बन सकते हैं।फेफड़ों का कैंसर, मुंह और गले का कैंसर, खाने की नली का कैंसर , पेट का कैंसर और गुर्दे का कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है।इस वॉकथॉन का थीम "एक नयी शुरुआत" जो दर्शाता है कि हममें तंबाकू को छोड़ के एक नयी शुरुआत की तरफ आगये बढ़ना है। नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर की रेडिएशन ऑन्कोलॉजी की डायरेक्टर डॉ. निधि पाटनी ने कहा, "तंबाकू का सेवन न केवल आपको बल्कि आपके आस-पास के लोगों को भी नुकसान पहुंचाता है। निष्क्रिय धूम्रपान भी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। कैंसर के अलावा, तंबाकू हृदय रोग, स्ट्रोक, मधुमेह और श्वसन संबंधी कई समस्याओं को भी जन्म देता है। हमारा लक्ष्य लोगों को इन खतरों के प्रति जागरूक करना और उन्हें एक स्वस्थ, तंबाकू मुक्त जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर के फैसिलिटी डायरेक्टर बलविंदर सिंह वालिया ने कहा, "इस वॉकथॉन की सफलता वास्तव में एक स्वस्थ जयपुर के लिए हमारे समुदाय के साझा दृष्टिकोण को दर्शाती है। इतने सारे व्यक्तियों को इस उद्देश्य के लिए एक साथ आते देखना प्रेरणादायक था, जो लोगों को तंबाकू छोड़ने और नई पीढ़ियों को इसे शुरू करने से रोकने के हमारे संकल्प को मजबूत करता है।"

■ ढाई सौ से अधिक लोग तंबाकू मुक्त भविष्य के लिए एकजुट हुए

■ वॉकथॉन का थीम "तंबाकू छोड़ के एक नयी शुरुआत" रखा

डोटासरा के अनर्गल और घमंडी बोल लोकतंत्र की मर्यादा का अपमान : दिलावर

जयपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा पर करारा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस नेता गोविंद डोटासरा पूरी तरह संयम और शिष्टाचार की सीमाएं लांघ चुके हैं और इसे तार-तार कर रहे हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि डोटासरा बेतुका, बेसिर-पैर का प्रलाप कर रहे हैं। यह उनकी बौखलाहट है तथा उनकी भाषा में घमंड भरा हुआ है। वे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की लोकप्रियता और कार्यशैली से भयभीत हैं।

दिलावर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हमारी सरकार में राजस्थान की जनता की चलती है और राजस्थान के विकास एवं हर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान के लिए हमारी सरकार काम कर रही है। चाहे वह जल प्रबंधन हो, बिजली की आत्मनिर्भरता, युवाओं को रोज़गार देना हो या फिर पेपर लीक पर कठोर नियंत्रण-हर क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। भ्रष्टाचार पर निर्णायक प्रहार, अपराधों में गिरावट, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शिक्षा और राइज़िंग राजस्थान में रिकॉर्ड एमओयू ये सब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शिता और जनहितकारी सोच का प्रतिफल है।

उन्होंने कहा कि डोटासरा जनता के हित के काम करें और अच्छे विपक्ष की भूमिका निभाएं लेकिन यह भूमिका भी नहीं निभा पा रहे हैं। अगली बार राजस्थान की जनता आपको विपक्ष के लायक भी नहीं छोड़ेगी।

एफ.आई.आर. में पुलिस की भूमिका व जांच पर संशय जताते हुए अदालत ने तथ्यात्मक रिपोर्ट मंगाई

अदालत ने कहा कि जांच के दौरान याचिकाकर्ता को हिरासत में नहीं ले सकती है पुलिस

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट में एक और ऐसा मामला सामने आया है, जहां ऐसा प्रतीत होता है कि पुलिस अधिकारी ही गुंडागर्दी और धमकी देने का काम कर रहे हैं। कोतवाली पुलिस स्टेशन जयपुर सिटी (नॉर्थ) ने वहां के तत्कालीन एस.एच.ओ. राजेश कुमार शर्मा ने देव प्रकाश खंडाका के खिलाफ अपने मालिक की संपत्ति चोरी करने का आरोप लगाते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 306 के अन्तर्गत एफ.आई.आर. दर्ज की। इस मामले में देव प्रकाश खंडाका ने एफ.आई.आर. को रद्द करने के लिये याचिका दायर की थी, और उल्टा तत्कालीन एस.एच.ओ. और जांच अधिकारी राजेश शर्मा पर आपसी रंजिश और ईर्ष्या के चलते यह एफ.आई.आर. दर्ज कराने के आरोप लगाये।

■ याचिकाकर्ता ने तत्कालीन एस.एच.ओ. और जांच अधिकारी, राजेश कुमार शर्मा, पर रिश्वत लेने के आरोप लगाये, कहा कि ईर्ष्या और आपसी रंजिश के चलते उसके खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज कराई है

■ याचिकाकर्ता ने कहा कि उसकी शिकायत पर एस.एच.ओ. का तबादला भी किया है, परंतु उसे संशय है कि वह मामले अभी भी मिला हुआ है और जांच को प्रभावित भी कर सकता है

इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सारांश सैनी अदालत में पैरवी के लिये पेश हुए थे। उन्होंने अदालत को बताया कि इस मामले में कोतवाली पुलिस थाने में एफ.आई.आर. 21 अप्रेल 2025 को दायर की थी और याचिकाकर्ता पर आरोप लगाये गये हैं कि उसने उसके मालिक के कानों के झुमके और चांदी का सामान चुराया है। उन्होंने अदालत को इस बात से भी अवगत कराया कि एफ.आई.आर. में वर्णित है कि कथित चोरी छह माह से भी पहले हुई थीं

सारांश सैनी ने अदालत से कहा कि कोतवाली पुलिस थाने के एस.एच.ओ. राजेश शर्मा उनके मुवक्किल से ईर्ष्या रखते हैं और उन्होंने याचिकाकर्ता से सोना मांगा थी, जिस पर मना करने पर राजेश कुमार शर्मा ने उनके खिलाफ एफ.आई.आर दर्ज की। उन्होंने अदालत को बताया कि राजेश कुमार शर्मा ने किसी झुमके और चांदी के सामान के बिल, जिन पर 20 जुलाई 2024 की तारीख है, को आधार बनाते हुए एफ.आई.आर दर्ज की है जिस पर याचिकाकर्ता का कहना है कि इस बिल का एफ.आई.आर. में वर्णित तथ्यों से कुछ लेना-देना नहीं है।

सारांश सैनी ने अदालत को यह भी बताया कि दबाव बनाने को लेकर याचिकाकर्ता की शिकायतों पर राजेश कुमार शर्मा को कोतवाली पुलिस थाने से स्थानांतरण कर दिया गया है, परंतु याचिकाकर्ता को संशय है कि वह इस मामले में मिला हुआ है और उसकी जांच को प्रभावित कर सकता है।

इस मामले की सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता को आंशिक राहत देते हुए कहा है कि इस थाने के एस.एच.ओ. या जांच अधिकारी, याचिकाकर्ता को इस एफ.आई.आर. के संदर्भ में गिरफ्तार नहीं कर सकते और पब्लिक प्रोसिक्यूटर इस मामले की तथ्यात्मक रिपोर्ट जल्द प्रस्तुत करें। न्यायाधीश प्रवीण भटनागर ने कहा है कि याचिकाकर्ता इस मामले में सहयोग करने में तत्पर हैं। इसलिये इस मामले में अगली तारीख 10 जुलाई 2025 से पूर्व तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश की जाये।